

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

समक्ष : श्री एम०के० सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 1402-एक/2005 विरुद्ध आदेश
दिनांक 19-5-2005 - पारित द्वारा अपर आयुक्त, चंबल
संभाग, मुरैना - प्रकरण क्रमांक 125/2001-01
निगरानी

- 1- रामस्वरूप 2- हरज्ञान 3- मेवाराम
4- बाचाराम पुत्रगण ल
लेखपाल
5- बिदुआ 6- श्रीदेवी 7- लोंगा
तीनों पुत्रियाँ लेखपाल जाति गड़रिया
ग्राम गड़िया मौजा रायपुर तहसील अम्वाह, मुरैना ---आवेदकगण
विरुद्ध
- 1- इन्द्रजीत 2- प्रहलाल 3- रामकली
4- रतिया चारों पुत्र/पुत्री मानपाल
ग्राम बरेथ तहसील व जिला मुरैना
5- रामप्यारी फोट पुत्री मानपाल वारिस
पप्पू पुत्र छोटू वधेले ग्राम बसई
तहसील फिरोजावाद उत्तरप्रदेश ---असल अनावेदक
6- गंगादीन फोट वारिस
(1) ब्रह्मजीत(2) प्रेमसिंह पुत्रगण गंगादीन
7- रघुवीर 8- रामौतार 9- सीताराम
10-रामकिशन 11- धर्मासिंह 12- फैलावाई
पुत्र/पुत्री मोतीराम
13- हरदयाल 13- विशाल 15- मोहर सिंह
16- रामभ्यान पुत्रगण छोटेलाल
17- शंभू पुत्र छोटे
18- पंजे 19- उलफत पुत्रगण सोनेराम
20- फूलकुँवर पत्नि स्वर्गीय गोविन्द
21- रामदास पुत्र गोविन्द
22- रामबहादुर पुत्र खेमराज
23- ग्याप्रसाद 24- रघुराज 25- कैलाश पुत्रगण केशर
सभी ग्राम गड़िया तहसील रायपुर, अम्वाह जिला मुरैना





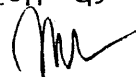
(आवेदकगण के अभिभाषक श्री श्रीकृष्ण शर्मा)
(अनावेदकगण के अभिभाषक श्री कुँअर सिंह कुशवाह)

आ दे श

(आज दिनांक 16 - 1 - 2017 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 125/2001-02 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 19-5-2005 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि ग्राम रायपुर की भूमि सर्वे नंबर 2384/1, 2386/2, 2384/4 , 2384/5 के हिस्सा 2/3 पर नामान्तरण हेतु आवेदकगण एवं स्वर्गीय गंगादीन ने नायव तहसीलदार पोरसा के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, जिस पर प्रकरण क्रमांक 23/1994-95 अ-6-अ पंजीबद्ध हुआ तथा पक्षकारों को सुनकर आदेश दिनांक 7-8-95 पारित किया गया एवं आवेदकगण तथा स्वर्गीय गंगाराम का नामांतरण भूमिस्वामी स्वत्व पर स्वीकार हुआ। इस आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी अम्वाह के समक्ष अपील क्रमांक 44/1995-96 प्रस्तुत हुई। सुनवाई के दौरान गंगादीन की मृत्यु हो गई। अनुविभागीय अधिकारी ने अंतरिम आदेश दिनांक 19-6-2001 से मृतक गंगादीन के वारिसान को रिकार्ड पर लिये जाने का निर्णय लिया। इस आदेश के विरुद्ध अपर कलेक्टर मुरैना के समक्ष निगरानी क्रमांक 102/2000-01 प्रस्तुत होने पर आदेश दिनांक 19-8-02 से निगरानी निरस्त हुई। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना के समक्ष निगरानी प्रस्तुत हुई, अपर





आयुक्त ने प्रकरण क्रमांक 125/2001-02 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 19-5-2005 से निगरानी निरस्त की। इसी आदेश से व्यथित होकर यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

3/ निगरानी मेमो में अंकित आधारों पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख में आये तथ्यों से परिलक्षित है कि अनुविभागीय अधिकारी अम्वाह के अपील प्रकरण क्रमांक 44/1995-96 के उन्मान में मृतक गंगादीन रिस्पाण्डेन्ट क्रमांक एक रहा है जिसकी मृत्यु होने पर उसके विधिक वारिसान को पक्षकार बनाये जाने हेतु व्यवहार प्रक्रिया संहिता आदेश 22 नियम 4 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसे अनुविभागीय अधिकारी ने अंतरिम आदेश दिनांक 19-6-2001 से स्वीकार किया है। विचार योग्य है कि क्या मृतक पक्षकार के वारिसान को पक्षकार बनाये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 19-6-2001 में लिया गया निर्णय में किसी प्रकार की त्रुटि है? अपर कलेक्टर मुरैना द्वारा निगरानी क्रमांक 102/2000-01 में पारित आदेश दिनांक 19-8-02 में निकाले गये निष्कर्ष तथा अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 125/2001-02 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 19-5-2005 में निकाले गये निष्कर्षों में स्वर्गीय गंगादीन के वारिसान को रिकार्ड पर लिये जाने वावत् अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित अंतरिम आदेश में कमी-वेशी नहीं पाई है और तीनों अधीनस्थ न्यायालय द्वारा निकाले गये निष्कर्ष समवर्ती होने से हस्तक्षेप की गुंजायश

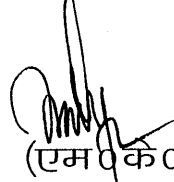




न्हीं पाता हूँ जिसके कारण निगरानी सारहीन पाई गई है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है एवं अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 125/ 2001-02 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 19-5-2005 विधिवत् होने से यथावत् रखा जाता है।

R
MK


(एम0के0सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर